बी. ए. अन्तिम वर्ष
समाजशास्त्रीय विचारों के आधार
(प्रथम प्रश्नपत्र)

खण्ड (1)

अध्याय 1 : समाजशास्त्र का उद्‌भव

सामाजिक चिन्तन क्या है, प्राचीन सामाजिक दर्शन, भारत में सामाजिक दर्शन, यूरोप में सामाजिक दर्शन, यूरोप में पुनर्जागरण, इटली में पुनर्जागरण, जर्मनी में पुनर्जागरण, फ्रॉन्स में पुनर्जागरण, इंग्लैण्ड में पुनर्जागरण, यूरोप में वैज्ञानिक चिन्तन का आरम्भ, समाजशास्त्र की ओर संक्रमण

अध्याय 2 : आगस्त कॉम्ट

कॉम्ट का जीवन परिचय, कॉम्ट की रचनाएँ, समाजशास्त्र को कॉम्ट की देन, समाजशास्त्र की अवधारणा, समाजशास्त्र की विशेषताएँ, समाजशास्त्र की शाखाएँ, प्रत्यक्षवाद का अर्थ, प्रत्यक्षवाद की विशेषताएँ।

अध्याय 3 : हरबर्ट स्पेन्सर

जीवन परिचय तथा कृतियाँ, सामाजिक डार्विनवाद, उद्‌विकास का अर्थ, सामाजिक उद्‌विकास, भौतिक उद्‌विकास का नियम, आलोचनात्मक मूल्यांकन

खण्ड (2)

अध्याय 4 : इमाइल दुर्खीम : सामाजिक एकता

दुर्खीम का जीवन परिचय, दुर्खीम की कृतियाँ, समाजशास्त्र के लिए दुर्खीम का योगदान, सामाजिक एकता का सिद्धान्त, सामाजिक एकता की अवधारणा, यांत्रिक एकता, यांत्रिक एकता की विशेषताएँ, सावयवी एकता, यात्रिक तथा सावयवी एकता में अन्तर।

अध्याय 5 : दुर्खीम : आत्महत्या

आत्महत्या की परिभाषा, आत्महत्या की विशेषताएँ, आत्महत्या के कारण, सामाजिक क्रियाः एक वास्तविक आधार, आत्महत्या के प्रकार, परार्थवादी आत्महत्या, अहंकारी और परार्थवादी आत्महत्या में अन्तर, आत्महत्या की सामाजिक प्रकृति, आत्महत्या के निवारण के उपाय, दुर्खीम के आत्महत्या सिद्धान्त की समालोचना।

अध्याय 6 : मैक्स वेबर

जीवन–परिचय एवं बौद्धिक पृष्ठभूमि, वेबर की प्रमुख कृतियाँ, शक्ति एवं सत्ता, सत्ता के प्रकार, सत्ता की ऐतिहासिक विवेचना, आदर्श प्रारूप, आदर्श प्रारूप की विशेषताएँ, आदर्श प्रारूप के प्रकार्य।

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

खण्ड (3)

अध्याय 7 : कार्ल मार्क्स

मार्क्स का जीवन परिचय, मार्क्स की प्रमुख रचनाएँ, ऐतिहासिक भौतिकवाद, उत्पादन सम्बन्धों का अर्थ, उत्पादन सम्बन्धों की विशेषताएँ, वर्ग और वर्ग संघर्ष, वर्ग चेतना, सामाजिक क्रान्ति, सामाजिक क्रान्ति की विशेषताएँ, सामाजिक क्रान्ति के सिद्धांत की आलोचना।

अध्याय 8 : विलप्रेफडो परेटो

परेटो की जीवनी, परेटो की कृतियाँ, परेटो का पद्धतिशास्त्र, समाजशास्त्र एक समन्वयात्मक, तार्किक एवं अतार्किक क्रियाएँ, परेटो की अवशेषों की अवधारणा, अवशेषों के प्रकार, अवशेषों का महत्व, भ्रान्त तर्को की अवधारणा, भ्रान्त तर्कों के प्रकार, अभिजात वर्ग का सिद्धांत, अभिजात वर्ग का परिभ्रमण

खण्ड (4)

अध्याय 9 : भारत में समाजशास्त्रीय चिन्तन का विकास

अनौपचारिक स्थापना का युग, समाजशास्त्रीय चिन्तन के उदय का युग, व्यापक प्रसार का युग, औपचारिक स्थापना युग, भारत में समाजशास्त्र के विकास और प्रवृत्तियाँ, क्या एक भारतीय समाज सम्भव है ?

अध्याय 10 : महात्मा गाँधी

जीवन परिचय, गाँधीजी के दर्शन की पृष्ठभूमि, गाँधीवाद, सत्य और अहिंसा, सत्याग्रह, गाँधीजी का आदर्श समाज, आर्य समाज, धार्मिक समाज, समाज में दयानन्द सरस्वती की भूमिका, वैदिक विचारधारा की पुनः स्थापना, मूर्ति पूजा का विरोध, बाल–विवाहों का विरोध, आलोचनात्मक मूल्यांकन

अध्याय 11 : राधा कमल मुखर्जी

जीवन चरित्र एवं रचनाएँ, समाज एक मुक्त व्यवस्था, सामाजिक मूल्य : अर्थ एवं परिभाषाएँ, मूल्यों का सोपान स्तर, मूल्यों का वर्गीकरण, मूल्यों का महत्व, अपमूल्यों की अवधारणा, प्रादेशिक समाजशास्त्र, सामाजिक पुनर्निमाण

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

सामाजिक अनुसंधन पद्धति
(द्वितीय-प्रश्नपत्र)

खण्ड (1)

अध्याय- 1 सामाजिक अनुसंन्धन का अर्थ एवं उपयोगिता

सामाजिक अनुसंन्धान का अर्थ एवं परिभाषाएँ, सामाजिक अनुसंन्धान की विशेषताएँ, सामाजिक अनुसंन्धान के उद्देश्य, सामाजिक अनुसंन्धान की प्रकृति, सामाजिक अनुसंन्धान की वैज्ञानिक प्रकृति, सामाजिक अनुसंन्धान की प्रक्रिया, सामाजिक अनुसंन्धान के प्रेरक तत्व, सामाजिक अनुसंन्धान की उपयोगिता एवं महत्व, सामाजिक अनुसंन्धान की कठिनाइयाँ, प्राकृतिक विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान के परिणाम, सामाजिक अनुसंन्धान के प्रकार, परीक्षोपयोगी प्रश्न

अध्याय- 2 प्राक्कल्पना

प्राक्कल्पना का अर्थ तथा परिभाषाएँ, उपयोगी प्राक्कल्पना की विशेषताएँ, प्राक्कल्पना के स्त्रोत, प्राक्कल्पना के प्रकार, प्राक्कल्पना का महत्व, प्राक्कल्पना की सीमाएँ, प्राक्कल्पना के निर्माण में कठिनाइयाँ, परीक्षोपयोगी प्रश्न

अध्याय- 3 सामाजिक घटना का वैज्ञानिक अध्ययन

विज्ञान का अर्थ एवं परिभाषाएँ, वैज्ञानिक पद्धति की प्रमुख विशेषताएँ, वैज्ञानिक पद्धति के प्रमुख चरण, सामाजिक घटना की प्रकृति की विशेषताएँ, सामाजिक घटना के वैज्ञानिक अध्ययन पर आपत्तियाँ एवं उनका समाधान, तर्क का अर्थ एवं परिभाषाएँ, सामाजिक अनुसंन्धानों में तर्क, अनुसंन्धान में तर्क का महत्व, आगमन पद्धति, आगमन पद्धति के दोष, निगमन पद्धति, निगमन पद्धति के गुण, निगमन पद्धति के दोष।

खण्ड (2)

अध्याय- 4 सामग्री के प्रकार एवं स्त्रोत

सामग्री का अर्थ एवं परिभाषाएँ, सामग्री के प्रकार, सामग्री के स्त्रोत, अवलोकन का अर्थ, अवलोकन की विशेषताएँ, अवलोकन की प्रक्रिया, अवलोकन के प्रकार, अवलोकन के गुण, अवलोकन की उपयोगिता, अवलोकन की विश्वसनीयता के उपाय, साक्षात्कार का अर्थ एवं परिभाषाएँ, साक्षात्कार की विशेषताएँ, साक्षात्कार की प्रक्रिया, साक्षात्कार का प्रतिवेदन, वैयक्तिक अध्ययन पद्धति, वैयक्तिक अध्ययन पद्धति के प्रकार, वैयक्तिक अध्ययन पद्धति की कार्यविधि, वैयक्तिक अध्ययन पद्धति का महत्व, वैयक्तिक अध्ययन पद्धति के दोष, वैयक्तिक अध्ययन पद्धति में सावधानियाँ।

अध्याय- 5 सामाजिक अनुसंन्धन के प्रकार

अन्वेषणात्मक या निरूपणात्मक अनुसंन्धान, अन्वेषणात्मक अनुसंन्धान की कार्य प्रणाली, वर्णनात्मक अनुसंन्धान, वर्णनात्मक अनुसंन्धान की विशेषताएँ, वर्णनात्मक अनुसंन्धान के चरण, परीक्षणात्मक अनुसंन्धान, परीक्षणात्मक अनुसन्धान के प्रकार, विशुद्ध अनुसंन्धान, व्यवहारिक अनुसंन्धान, व्यवहारिक अनुसंन्धान की उपयोगिता, क्रियात्मक अनुसंन्धान, मूल्यांकनात्मक अनुसंन्धान, मूल्यांकनात्मक अनुसंन्धान की प्रक्रिया, मूल्यांकनात्मक अनुसंन्धान की समस्याएँ।

अध्याय- 6 सामाजिक सर्वेक्षण

सामाजिक सर्वेक्षण का अर्थ एवं परिभाषाएँ, सामाजिक सर्वेक्षण की प्रकृति एवं विशेषताएँ, सामाजिक सर्वेक्षण की विषयवस्तु, सामाजिक सर्वेक्षण के उद्देश्य, सामाजिक सर्वेक्षण की उपयोगिता, सर्वेक्षण विधि की सीमाएँ।

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur

अध्याय- 7 सामाजिक सर्वेक्षण के प्रकार, आयोजन एवं प्रमुख चरण

सामाजिक सर्वेक्षण के तीन उप-प्रकारों वाले वर्गीकरण, सामाजिक सर्वेक्षण के द्वि-उप प्रकारों वाले वर्गीकरण, सामाजिक सर्वेक्षण का अयोजन एवं प्रमुख चरण, पूर्वगामी अध्ययन अथवा सर्वेक्षण, सामाजिक अनुसंन्धान एवं सामाजिक सर्वेक्षण, सामाजिक अनुसंन्धान तथा सामाजिक सर्वेक्षण में अन्तर, सामाजिक अनुसंन्धान एवं सामाजिक सर्वेक्षण में समानता।

खण्ड (3)

अध्याय- 8 प्रतिदर्श

समष्टि, प्रतिदर्श एवं इकाई, समष्टि, प्रतिदर्श, प्रतिदर्श इकाई, प्राचल आकलन तथा प्रतिदर्श चयन त्रुटि, प्रतिदर्श चयन की विधियाँ, निर्णयाधारित प्रतिदर्श चयन, प्रायकिता प्रतिदर्श चयन: यादृच्छिक प्रतिदर्श चयन, यादृच्छिक प्रतिदर्श का आकार, प्रतिदर्श चयन वितरण, यादृच्छिक प्रतिदर्श के मध्यमानों का प्रतिदर्श चयन वितरण ।

अध्याय- 9 प्रश्नावली एवं अनुसूची

प्रश्नावली के प्रकार, प्रश्नावली की विशेषताएँ, प्रश्नावली की रचना, प्रश्नों की प्रकृति, प्रश्नावली का बाह्य तथा भौतिक पक्ष, प्रश्नावली का प्रयोग, प्रश्नावली की विश्वसनीयता, प्रश्नावली के गुण, प्रश्नावली की सीमाएँ, अनुसूची की प्रस्तावना, अनुसूचियों के प्रकार, अनुसूची निर्माण की प्रक्रिया, अनुसूची की अन्त:वस्तु, प्रश्नों की विशेषताएँ, अनुसूची द्वारा सूचना प्राप्त करना, अनुसूची का सम्पादन, अनुसूची के गुण, अनुसूची के दोष

अध्याय- 10 साक्षात्कार निर्देशिका

साक्षात्कार का अर्थ तथा परिभाषाएँ, साक्षात्कार के उद्देश्य, साक्षात्कार के विभिन्न प्रकार, साक्षात्कार की प्रक्रिया के चरण, साक्षात्कारकर्त्ता की भूमिका, साक्षात्कार के लाभ, साक्षात्कार के दोष

अध्याय- 11 साक्षात्कार निर्देशिका

बिन्दु रेखाओं के गुण, बिन्दु रेखाओं के दोष, बिन्दु रेखा रचना, आवृत्ति बिन्दु रेखा, कालिक चित्र, निरपेक्ष कालिक चित्र, आवृत्ति चित्र, आवृत्ति बहुभुज, परिमाणात्मक चित्र, एक परिणात्मक चित्र, दो परिणात्मक चित्र, पाई चार्ट या वृत्त चित्र ।

खण्ड (4)

अध्याय- 12 सांख्यिकीय माध्य, समान्तर माध्य, बहुलक तथा माध्यिका

माध्य का अर्थ एवं परिभाषाएँ, माध्यों की उपयोगिता एवं उद्देश्य, एक आदर्श माध्य के आवश्यक तत्व, माध्यों की सीमाएँ, माध्यों के प्रकार, समान्तर माध्य, समान्तर माध्य की विशेषताएँ, समान्तर माध्य की गणना, समान्तर माध्य के दोष, बहुलक, बहुलक की विशेषताएँ, बहुलक की गणना, बहुलक के गुण, बहुलक के दोष, माध्यिका, माध्यिका की विशेषताएँ, माध्यिका का परिकलन, माध्यिका के गुण, माध्यिका के दोष, बहुलक, माध्यिका तथा समान्तर माध्य की तुलनात्मक उपयोगिता

अध्याय- 13 प्राथमिक तथा द्वितीयक तथ्य

तथ्यों के प्रकार, तथ्य संकलन के स्त्रोत, प्राथमिक स्त्रोतों के गुण, प्राथमिक स्त्रोतों के दोष, द्वितीयक तथ्यों के स्त्रोत, भारत में सरकारी आँकड़ों के स्त्रोत, तथ्यों के संकलन का महत्व ।

अध्याय- 14 सारणीयन

सारणीयन की परिभाषाएँ, सारणीयन के उद्देश्य, सारणीयन के लाभ, सारणीयन की सीमाएँ, उत्तम सारणी के लक्षण, सारणी का ढाँचा, सारणियों के प्रकार।

Dr. Anita Singh
Incharge NAAC Criteria-I
PSSOU, CG Bilaspur